

राज
कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 72

एक
पोस्टर
मुफ्त

प्रलयंकारी नागराज



प्रलयंकारी नागराज

● लेखक : राजा ● कला दिग्दर्शक : प्रताप मुलीक ● सम्पादक : मनीष गुप्ता
● चित्रकार : मिलींद मुलीक, विनय कुमार

छूती जंग से आने पड़ा :- न्यूयॉर्क के विजियम का स्वात्मा करने के बाद अब नागराज को सीमैन की तलाश थी। न्यूयॉर्क में उसके दोस्त डॉन ने उसे बताया कि मोप्टकारों में गैंगब्लिंग फाइटर का संचालक डी-सिल्वी ही उसे सीमैन तक पहुंचा सकता है। नागराज मोप्टकारों के विमान पर सवार हुआ, लेकिन किन्हीं अज्ञात लोगों ने उसे उड़ते विमान से पेरिस शहर के ऊपर ही कूदने पर मजबूर कर दिया। लेकिन नागराज नागराजरी की मदद से बच गया। पेरिस के गैंगब्लिंग फाइटर कैफी को हराकर वह डी-सिल्वी तक पहुंचता है। डी-सिल्वी उसे सीमैन से मिलाने के लिए अपने साथ मोप्टकारों लेकर पहुंचता है, और उसे एक होटल में ठहराकर गायब हो जाता है। नागराज जिस समय होटल के रेस्तरां में बैठा दूध पी रहा था, मोप्टकारों का तुफान हफ्टर वहां आकर उसे तलाक़ा देता है। दोनों में जमकर लड़ाई होती है।...

... अंत में नागराज एक टेलीविजन उसके गले में डालकर भाग जाता है।



और जब हफ्टर ने टेलीविजन सिर से निकाला —



नागराज को गायब देख, वह होटल से बाहर निकल गया।

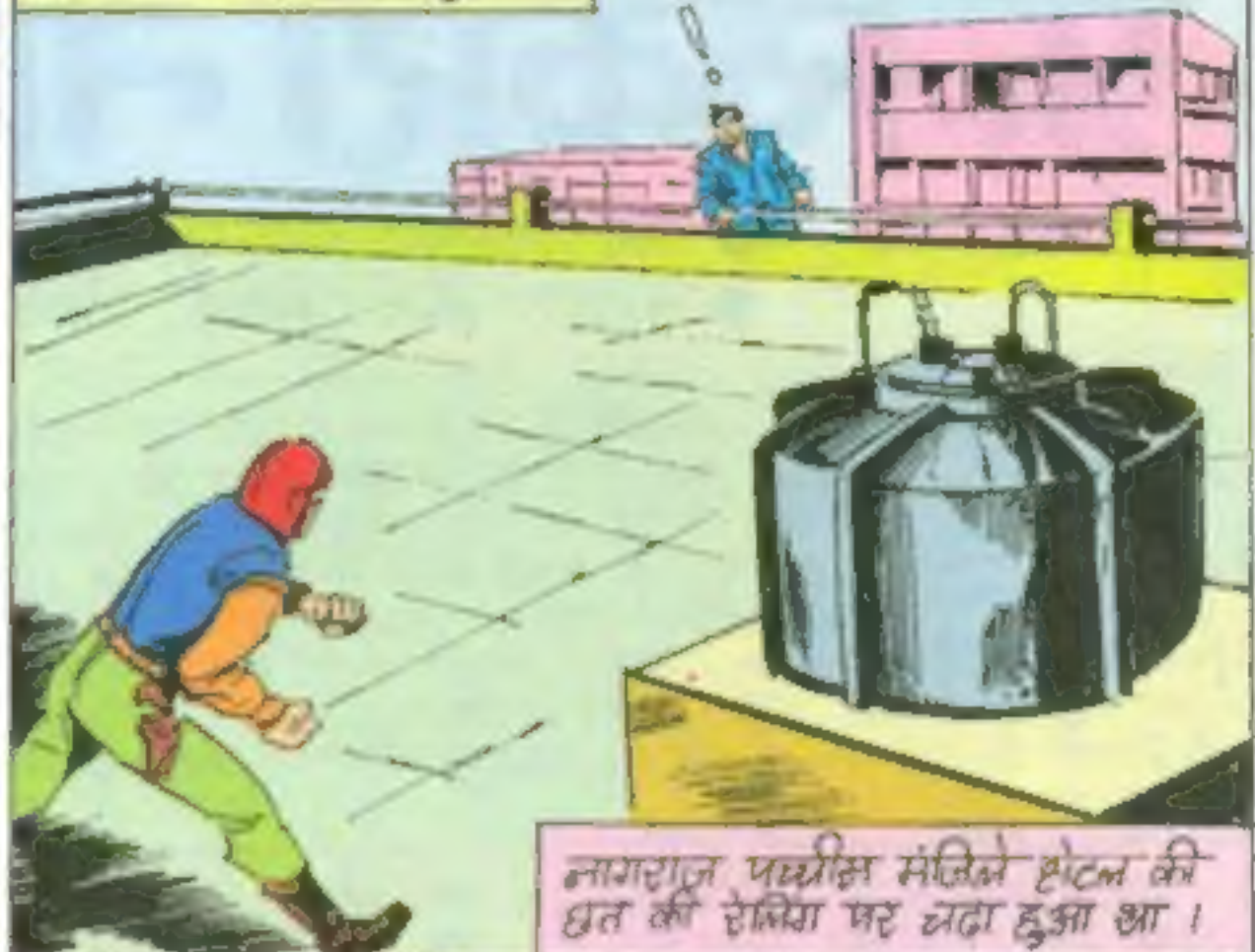
बाहर आकर हफ्टर ने ऊपर देखा, नागराज दौड़ा हुआ होटल की छत की ओर जा रहा था —



अगले ही पल हण्टर होटल की लिफ्ट में सवार हो गया—



हण्टर जब छत पर पहुँचा—



नागराज पछीस मंजिले होटल की छत की रेलिंग पर चढ़ा हुआ था।

हण्टर को देखते ही वह वापस नीचे की तरफ हंगल लगा—



हण्टर भागता हुआ रेलिंग तक पहुँचा—



भागता क्यों है कायर! मैं तुझे जिंदा नहीं छोड़ूँगा!

तब तक नागराज आधा रास्तातय कर चुका था।

हण्टर लपककर पानी की बड़ी टंकी के पास पहुँचा—



अगले ही पल टंकी उसके हाथों में थी।

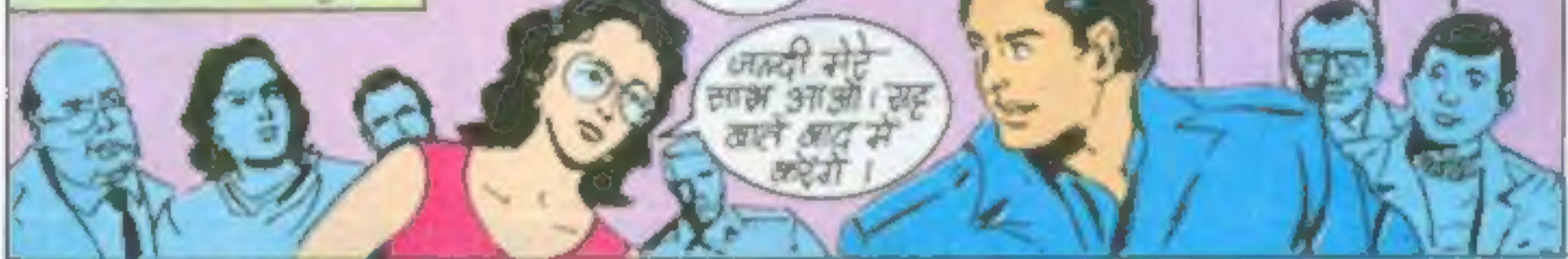


इसके नीचे दबकर उसकी छटनी बन जाएगी।

नागराज जब नीचे पहुंचा, उसे दीवार मह हंगता देख वहाँ भीड़ लगा गई थी।



तभी भीड़ को चीरती हुई टीना उसके पास पहुंची—



तुम कहाँ ?

जल्दी से मेरे साथ आओ। यह काले बाद में करेंगे।

नागराज टीना के साथ कार में बैठा—



तुम कहाँ कब पहुंची ?

आज ही !

कार के आगे बढ़ते ही ऊपर से पंकी गई टंकी उसके से टकराई—



धड़ाम

पंकी के जबरदस्त धक्के ने कार को भी हिला दिया।

ओह, यह क्या हुआ ?

लगता है, यह भी स्पीड की ही शरारत है !



टीना ने कार वहां से निकल दी -



नगरपाल ! यह तुम किस चक्कर में फँस गए हो ? जब मैं होटल में पहुँची तुम हॉटर के सिर पर टी वी गार रहे थे !

टीना ! मैं यूरोप, यहां के अलंकवादी सीमेंट को खत्म करने आया हूँ ! इसी सिलसिले में मैं डी-सिल्टा के साथ यहां आया था और यह तो शुरुआत है प्रत्यक्षी !



तो इतना जो कुछ तुमने किया, क्या सब सीमेंट से मिलने के लिए ?

हां टीना !



लेकिन उस जगह कैसे पहुँची ?

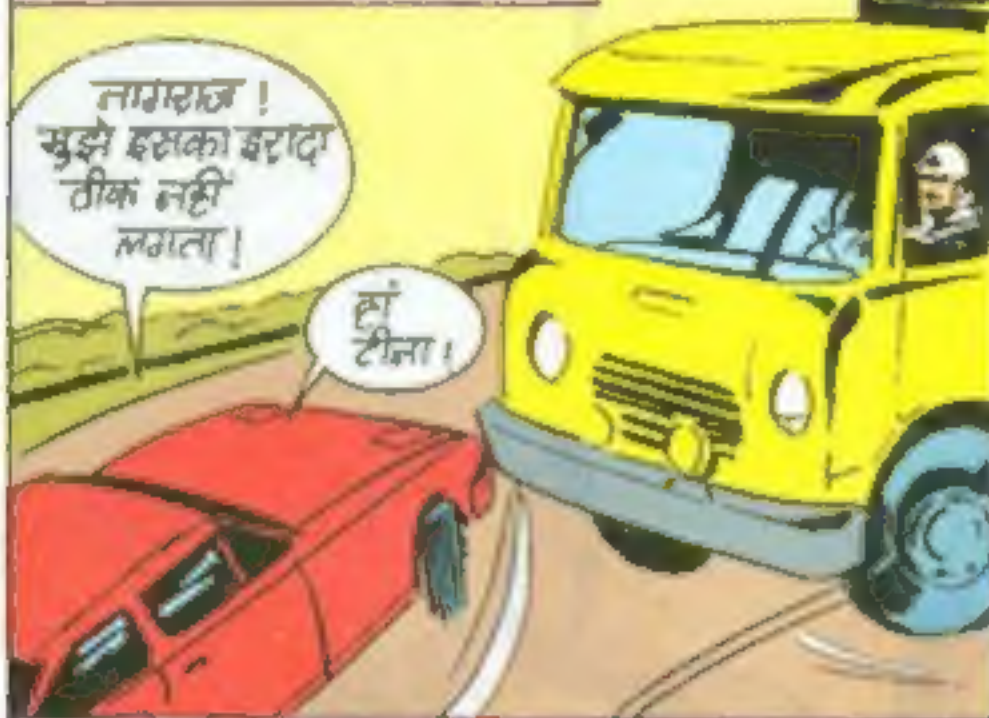
कम मोप्टकार्गो में हुए धमाके में जो मंत्री मरा है...



... मैं इसी की खोजबीन के लिए यहां पहुँची हूँ। वह धमाका वास्तुवा संरंग का था, जिसमें सीमेंट का ही हाथ था।

चानि हम दोनों एक ही ध्येय के पंथी हैं !

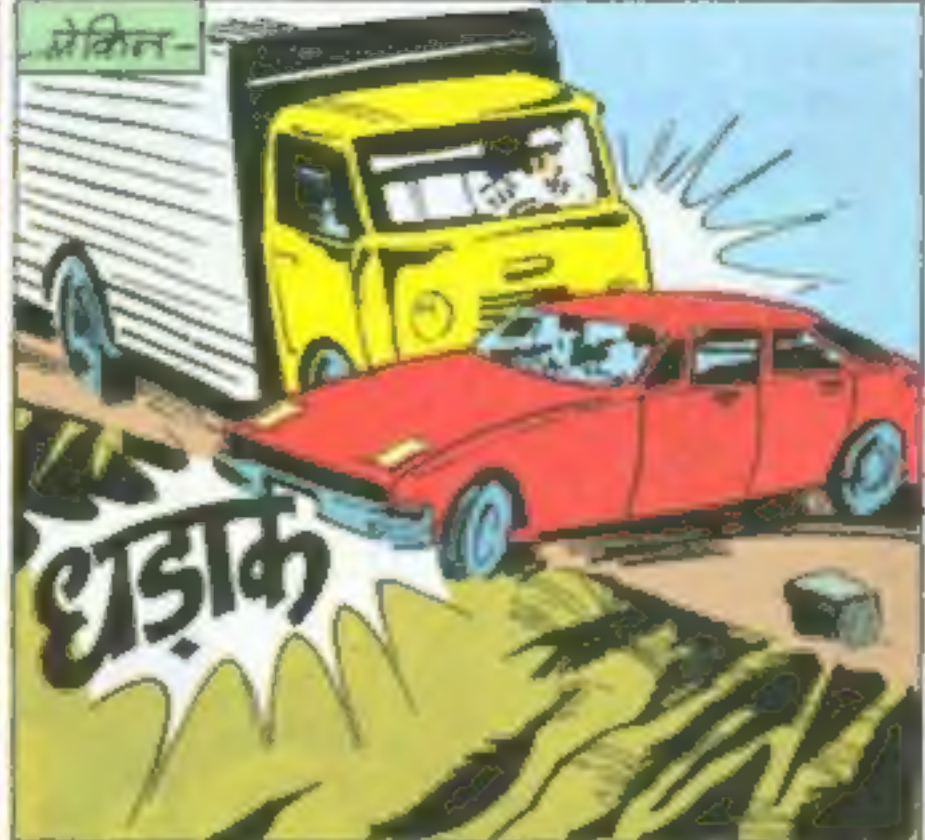
अचानक टीना धौंकी, सामने से आता ट्रक तूफानी गति से कार की ओर ही बढ़ रहा था।



नागराज !
मुझे इसका इरादा
ठीक नहीं
लगता !

हां
टीना !

टीना ने कार को बचाने का भरसक प्रयत्न किया...



ट्रक कार को टक्कर मारकर ही आपो निकला और...

...कार रुई में गिरती चली
गई...



...और एक पेड़ से
टकराकर रुक गई-



नागराज और टीना बेहोश हो चुके थे -



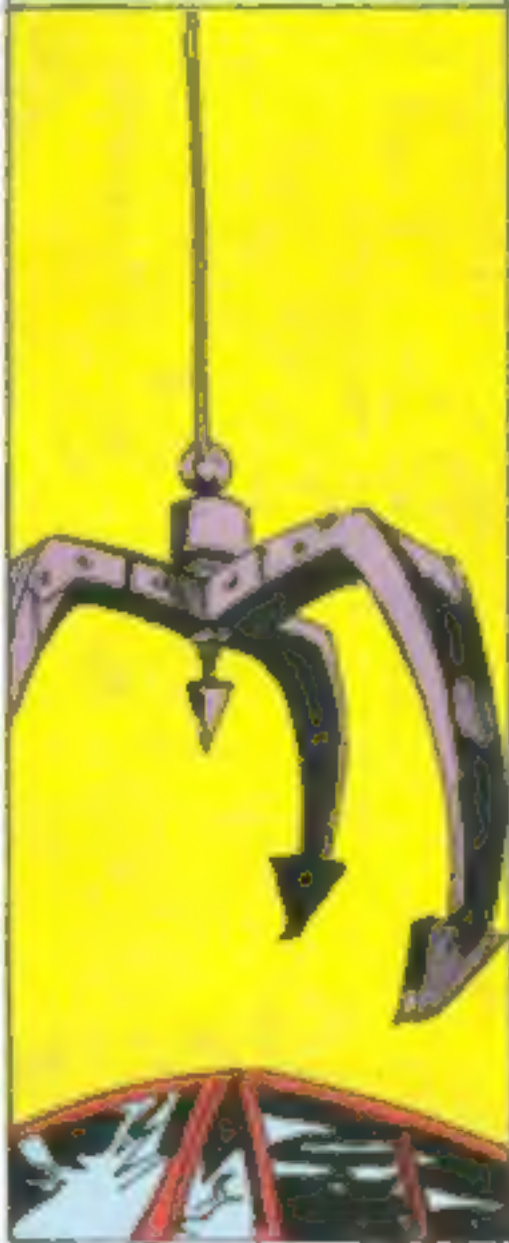
तभी वसावरण हेलीकॉप्टर की आवाज से गूँज उठा -



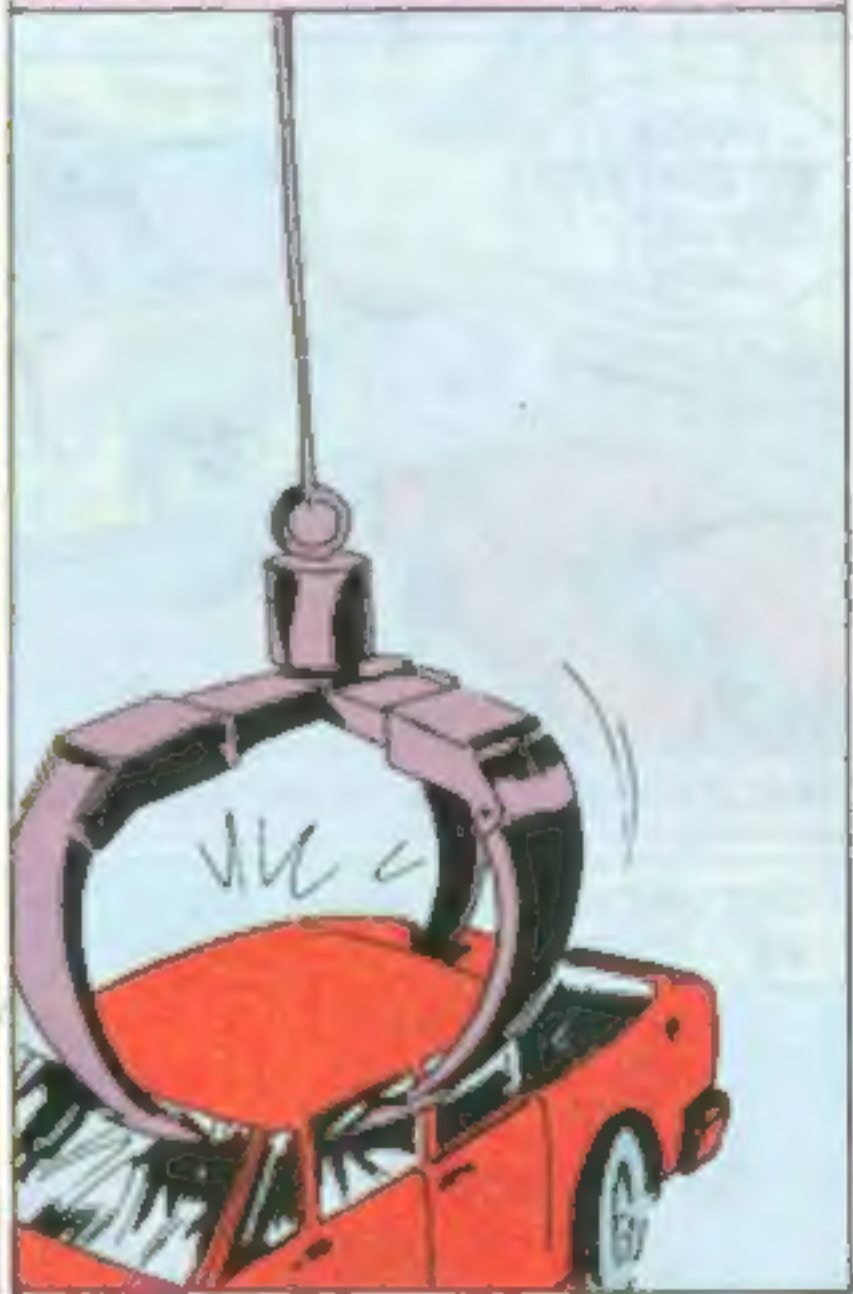
आसमान पर मंडराता
हैलीकॉप्टर कार के ऊपर
दिशर हो गया ...



... फिर उसमें लटका
शिकंजा नीचे आने लगा ...



... और कार की छत पर जम गया ...



फिर शिकंजा कार समेत ऊपर
उठने लगा -



... हैलीकॉप्टर कार को लेकर आगे बढ़ने लगा -



कुछ देर बाद हैलीकॉप्टर समुद्र के ऊपर मंडरा
रहा था -



कार के जमीन से ऊपर उठते ही...

गहरे समुद्र के ऊपर पहुंचकर
शिकंसा चुना और...



...कार समुद्र में जा
गिरी...



...और डूबने लगी।

पानी से टकराते ही नागराज की धैर्यता जागी—



ओह...
गुब्बुप-गुब्बुप...

सारा पानी ?
तो क्या हम
समुद्र में हैं ?

वह डूबती हुई कार से बाहर
निकला—



ओह ! मुझे
जल्दी ही टीना
को भी बाहर
निकालना होगा!

तब तक टीना भी होश
में आ चुकी थी—



ओह !
क्या ?

वह भी कार से बाहर
निकलने का प्रयास
करने लगी।

नागराज ने टीना को बाहर
निकलने में मदद की—



फिर दोनों तेजी से सतह की तरफ
उठने लगे -



लेकिन अपर पहुँचते-पहुँचते टीना
बिल्कुल बेदम हो गई थी -

नागराज !
बचाओ ! मैं अब
तैर नहीं सकती !

हिम्मत
रखा टीना, मैं
जो कुम्हार
समझ दू !



नागराज ने टीना को संभाला
और अशाह समुद्र में अज्ञात
दिशा की ओर तैरने लगा -



कई घंटे तैरने के बाद दूर एक
जहाज नजर आया -



अहा, इस जहाज पर
जल्द मदद मिलेगी !

नागराज ! क्या
हम बच पायेंगे ?

कुछ ही घंटों की तैराकी के बाद नागराज
जहाज तक पहुँचने में सफल हो गया -



उसने नागराज की ओर...







मैं जानता था तुम सीमेंट के जफादार कने हो। लेकिन इस समय एकाएक तुम्हें इस जहाज पर देखकर मैं हैरान हूँ।



हैरान मत होओ यह सीमेंट का जहाज है। और यही तभी, माण्टकासों की हर चीज एक तरह से सीमेंट की ही है।

गादर्स! इन्हें पिजरे में बदल कर दो।

कुछ देर बाद जहाज उन्हें लेकर पार्क पर पहुँचा —



कुछ ही देर में वे सीमेंट के जहाज सीमेंट के हंड क्वार्टर की तरफ बढ़ रहे थे।

नागराज, तुम्हारी रेव्वा हंश पूरी होने जा रही है।

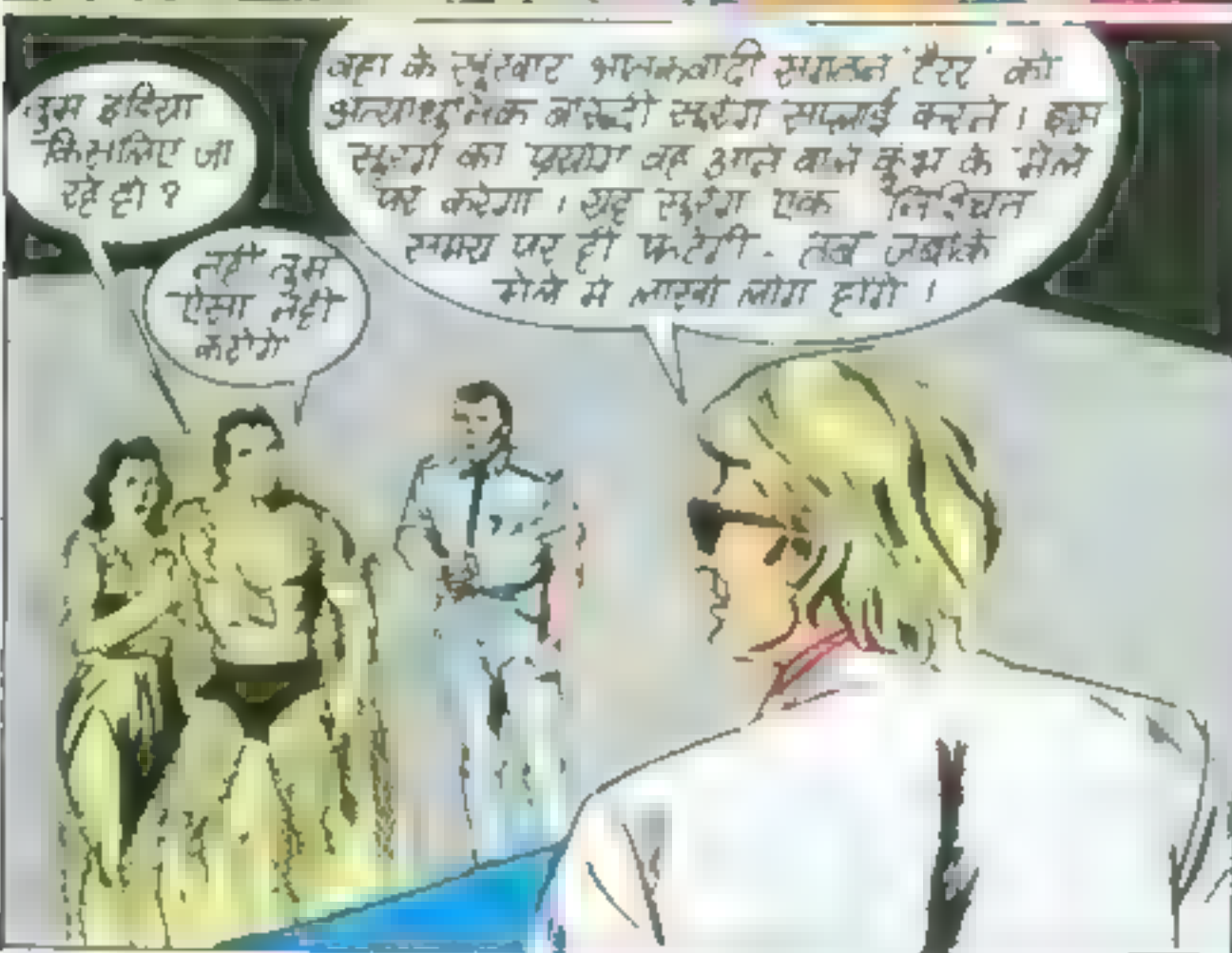
हा होना। इसीलिए मैं शान बैठा हूँ।



कुछ ही घड़ी के साफर के बाद वे सागरेन के सामने थे।

निरचल ही तुम लहादुर हो नागराज। हमने तुम्हें उड़ते पोल से नीचे फेंकवाया, तुम बच गए। सोचो, कौन हथकड़ी जल मदान रोड्स के चमक से भी बच निकले और फिर एक्स्प्रेस के बाद समुद्र से भी वापस आ गए।





और जब तक तुम मौत की कार्रवाई में
बैठ रहोगे। और हाँ, अगर तुमने इस
बीच वहाँ से निकलने की कोशिश की
तो सीमांत मोल्दोवनों के निवासियों
को एक अद्वितीय नोडफा पेश करेगा,
नागरिक का खून। हाँ, तुम्हारा खून
अरसेना मोल्दोवनों के अंदर।
हा हा हा

ले
जाओ इसे



सीमांत के अंदर पर उन्हें लाल से भूक्त कर दिया गया

बोली, कोई
गुप्त दृष्टि ना
करना, वरना अद्वितीय
को शायद मार
दे जायेंगे।



हफ्तर उन्हें एक गोप इमारत के पास
ले आया।

नागरिक। यह
है मान का किशो
इसने प्रवेश करने के
बाद किशो सो, प्रती
आइए के हरा मो
वर्षा नहीं आ
सकता।



आगे उन्हें कई स्तरांतरांतरों का सामना करना
पड़ा

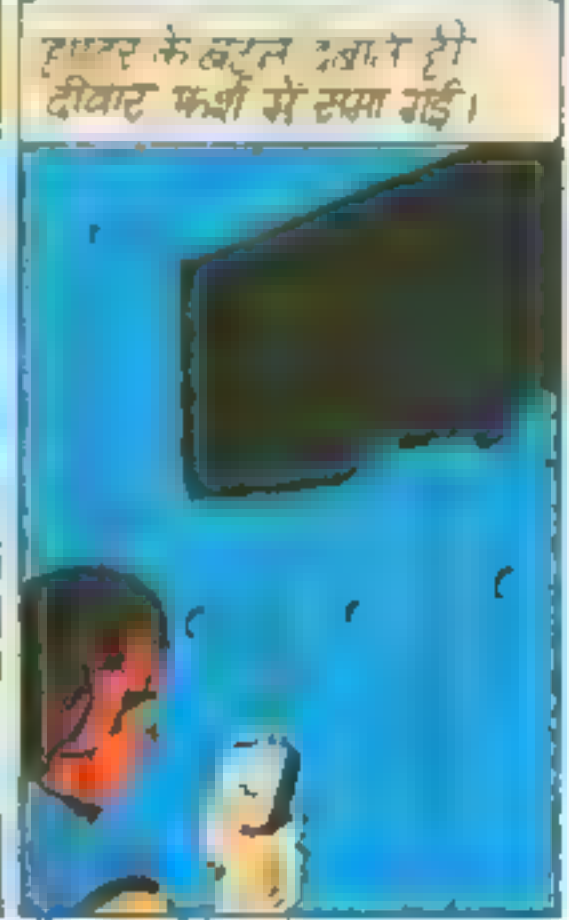
नागरिक, ले स्तरांतरांतरों में
अज्ञात किशो जो भी
देखते हैं। वरना
यहाँ देखें हैं।



मैंने धूमने हैं सामने
उपर चढ़कर आई -



हफ्तर के खरल शब्दों ही
दीवार फर्श में समा गई।



उनके भागो बंद मे ही देखकर फिर ऊपर आ गइ -



कहा सहे
सुदूर कभी सगा
भी होगा ?

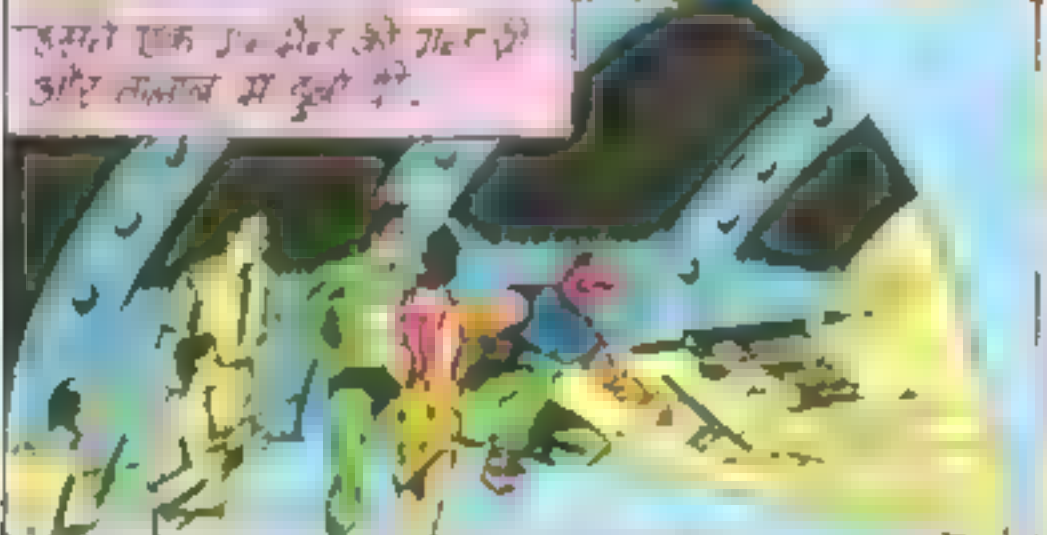
मंचलक दण्डर रुक गया -

नागराज
जानते हो सहे
कहा है ?

कहा



हमने एक जगह को गहरा
और तालाब में दूरी है -



तेराब के तालाब में
दूरी है गत पिछले
जई -



हा हा हा दोन दुमका रुम
कैसे मिलेगा गई रुम रुम
तालाब में दूरी है -

हमने आगे
कैसे जायेगा
हम ?



नव दण्डर ने रुम में रुमो मिले
कैसे रुम का रुम रुम रुम



आगे रुम के रुम
कैसे रुम रुम रुम
कैसे रुम रुम रुम



इस प्रकार से अन्तर ही अन्तर .

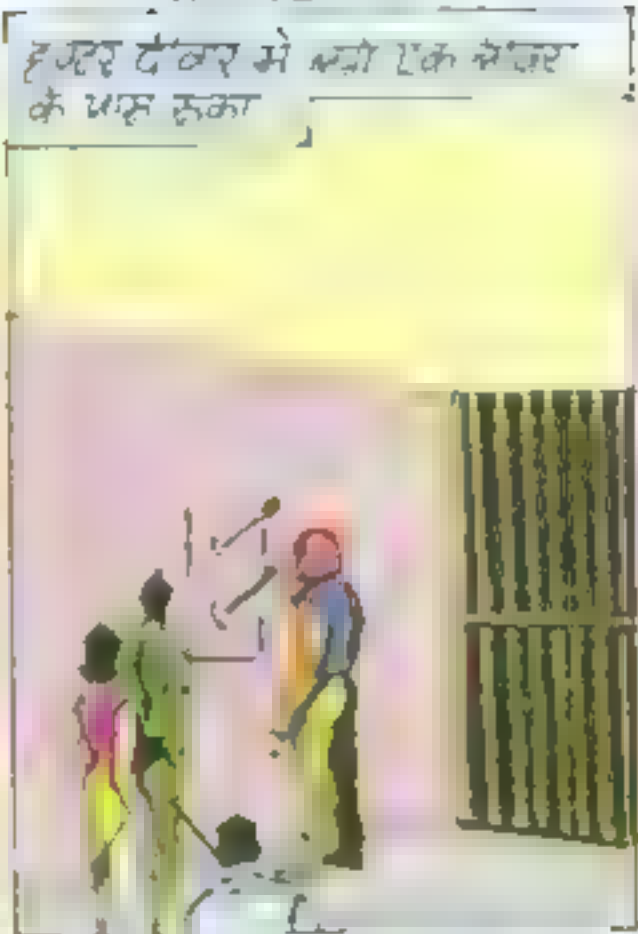


4. $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

[illegible]



इसने फिर रिमोट का बटन दबाया है। जबर कुछ चक्कर है।

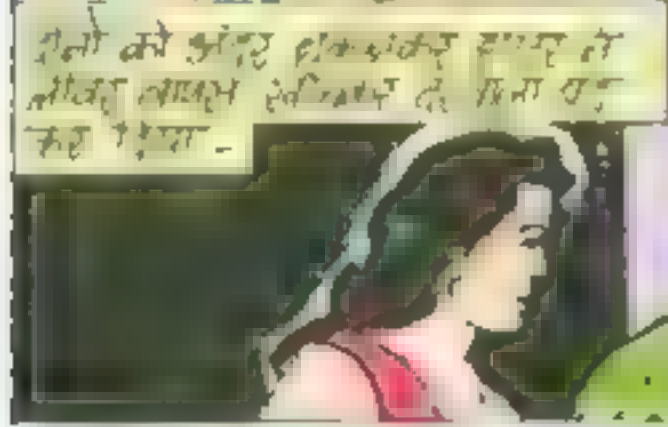


हजर देकर मे लगी एक सेजर के पास रुका



जोवर के धूमने ही दरवाजा खुल गया

हमारे अंदर



मैंने उसे अंदर एक बंदूक दायरे में लीवर लक्ष्य लेना शुरू कर दिया -



नागराज अब एक हीमत के साथ लड़ने का प्रयास कर रही होगी



नागराज मैंने एक बंदूक उठा लिया है। इस बंदूक से अगर, अगर मैं किसी भी हिंस्र जानवर को मार दे रहा हूँ तो मैं हूँ। इसी बंदूक से मैंने लड़ने शुरू है। हा हा हा अल्लो!



अरे, नागराज! अब हमारा क्या होगा?



हमारे इस घर में बहुत सारे बंदूक का इस्तेमाल करने वाले लोग हैं। मैंने बहुत ही अच्छे से जान लिया है।



क्या मतलब?

हमारे आज के समय तक है। अगर हम पाँच मिनट में पहले यहां से न निकले तो हमारे घर में बहुत सारे लोग मारे जाएंगे और...


उसने कहा आपका
नाम का जहाँ का
कहाँ है, मैं हूँ
यह नहीं है जहाँ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥
 ॥ श्री गणेशाय नमः ॥
 ॥ श्री लक्ष्मणे नमः ॥
 ॥ श्री रामाय नमः ॥

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ
ਪ੍ਰਸੰਨ ਹੋਵੇ



342 2 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038 1039

Figure 1

300 000

4th 5th 6th 7th 8th 9th 10th 11th 12th

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

277

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

...और नीकर घूमता चला गया।

साक्षात् ही दरवाजा धाँस गया
आहे नागराज ! मुझे विश्वास
नहीं हो रहा कि हम
सहज हो गये हैं।

जब मैंने
कहा था कि इस
सूखे सुखे को
मर चुके।

एक बार फिर नागराज न कहेंगे जहाँ की



जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।

जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।



11

जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।



जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।

जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।

जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।

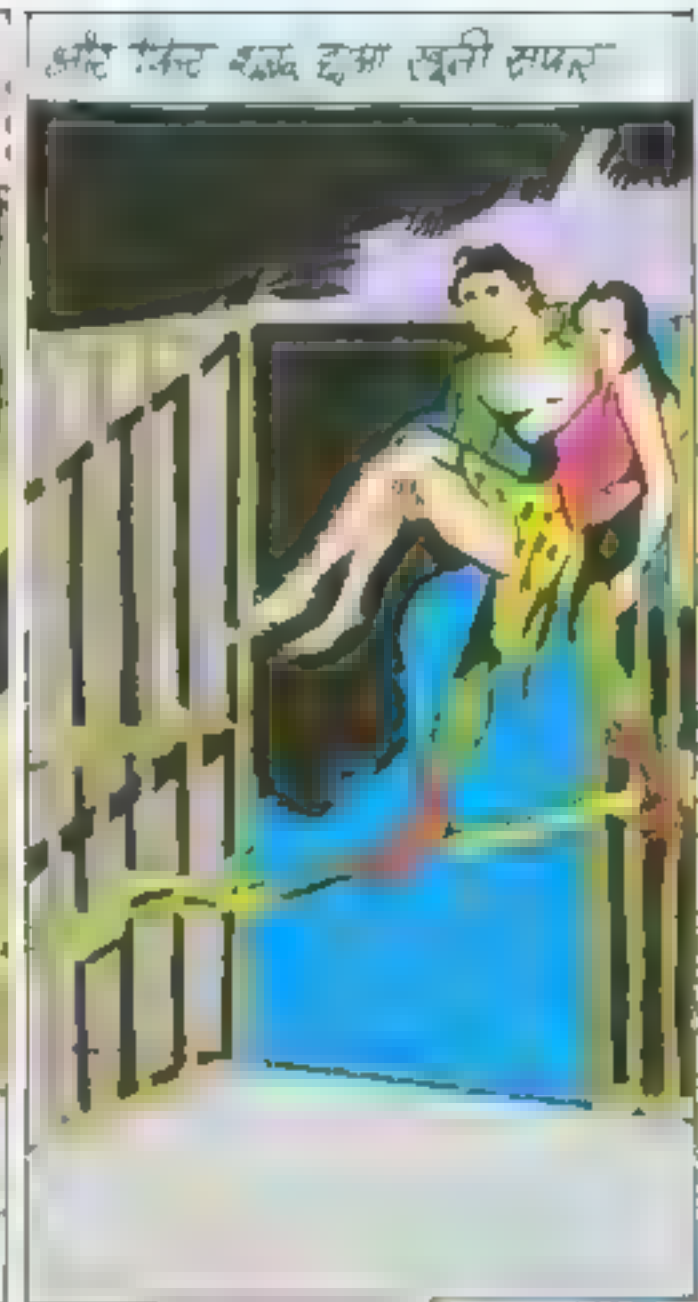
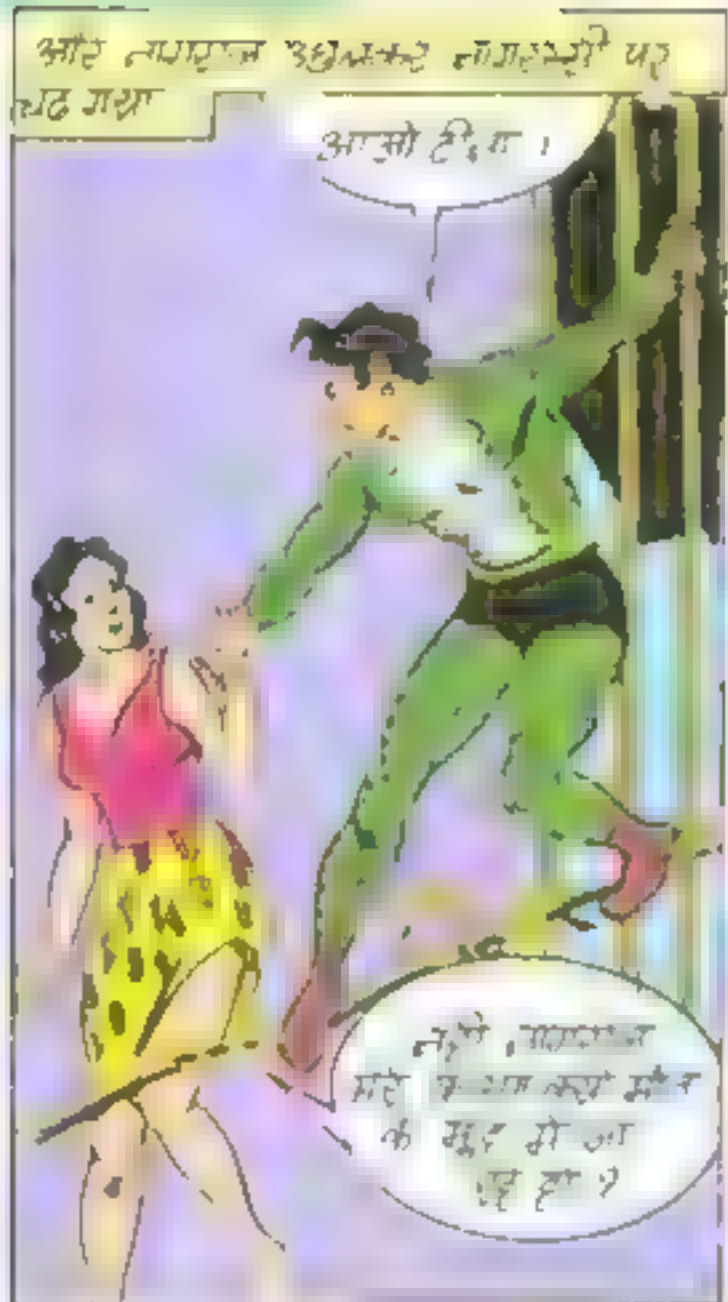


जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।

जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।

जब मैंने कहा था कि इस सूखे सुखे को मर चुके।





नागराज व अपनी माँ की कार्रवाई से काफी परेशान बहुत आश्चर्यचकित थे।

आह नागराज ! खुआर गेट !
मैंने तो खाने की उम्मीद ही छोड़ दी थी।



जहाँ
रहते हैं ना,
अभी हम उन्हें
भी मिलाकर
का सम्मान
कराएँ।

नहीं उन्हें से सोंद को खाने में उन्हें प्यार है।

मैंने, हम भी उन्हें
से निहारेंगे।
हम उन्हें मर जेला

हा हा हमें क्या
का इतरा
कुछ ही खड़ी कृपा
होगी।



नागराज उनके सामने पड़ा।

मैंने तो उन्हें
आप कहें हैं ?



हम उन्हें सीमेंट
का प्लास्टर लगाते हैं।
इससे उनके चेहरे को
सुरक्षा के कारण
का प्लास्टर लगा
कराएँ।



फिर मैंने
उसने हमें सही जल दिया।
कुछ तो भ्रम से लड़कर
मर गए। कुछ डरकर
सीमेंट से समझौता कर
लेंगे। अब हम लड़कर
हम जीते हैं।



मैंने नागराज
को लेंगे
दुखी नागराज
मरने देंगे।



नागराज उन्हें लेंगे
नागराज से लेंगे निम्न
विचारों से लेंगे निम्न
इच्छा को लेंगे निम्न
विचार है।



नागरिक ने अपनी असहमति शक्ति के प्रयोग से
लगातार को अवरुद्ध किया

धड़ाम

हा, बहुत
बुरा साहस
का है।

यही तरह नागरिक ने लकी लकड़ी आकार
करा दिया।

यही साहस
हमें अट्टा से जल में
हा और निकालना
है।

अगर मैं सब को बचाना चाहता हूँ

यही आकार को लकड़ी लकड़ी करके ले जाते हैं।

नागरिक। हमारे से किसी
को भी नहीं लकड़ी कर
सकते हैं कि हम उस
साथ नहीं जाते।

हम इस तरह
निकालेंगे और
सबसे

नागरिक
को हम कभी
बचाना नहीं
सकते ?

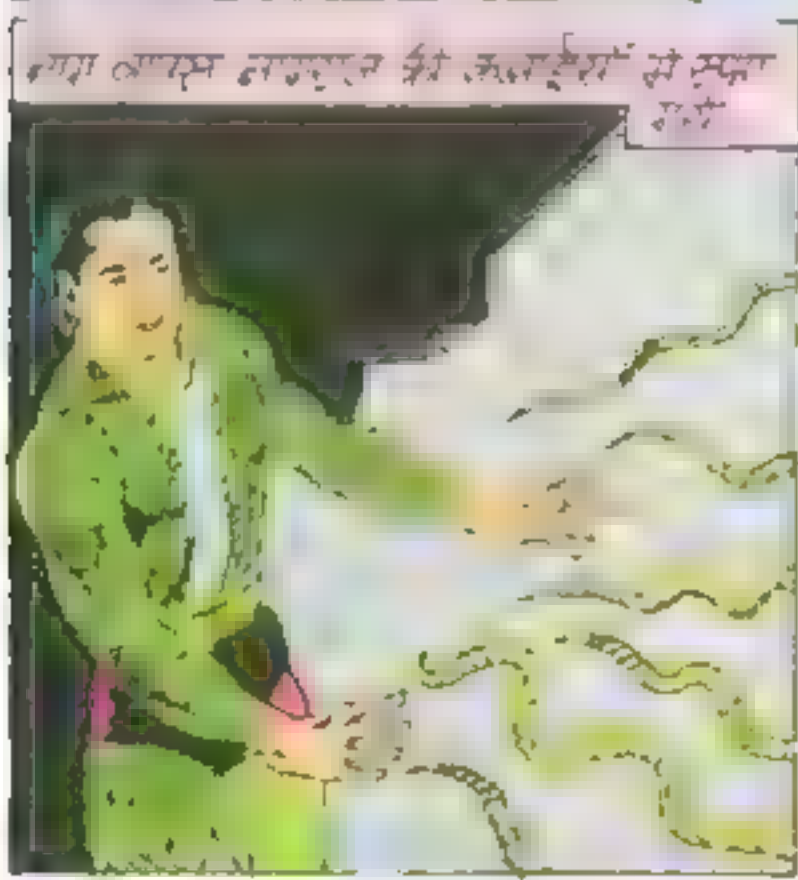
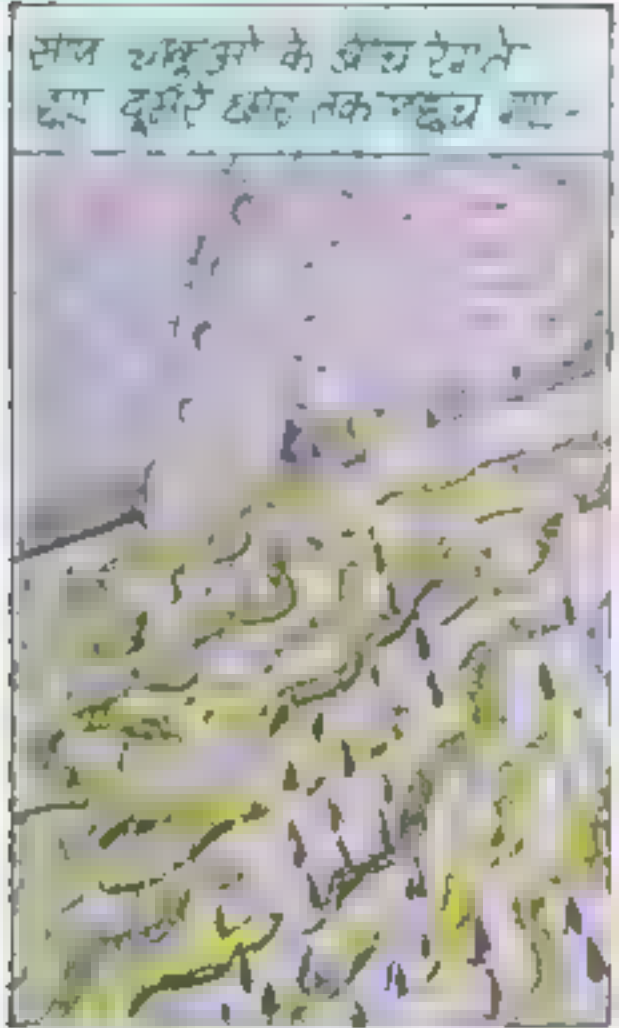
नागरिक
कभी नहीं
सकते।

मैंने तुम ही से कहा नागरिक को बचाना

मैंने तुम लकड़ी
बचाना नहीं
सकते।

कैसे

नागरिक ने लकड़ी
बचाना नहीं
सकते।







तभी दूरे हुए शीशों के सामने लिफ्ट आकर रुकी —



फिर सबके लिफ्ट में प्रवेश होते ही नागराज ने लिफ्ट का बॉन दबा दिया —



वे सब बाहर आ गए



किन्तु यह सभी ज्यादा देर न टिकी, अभी तेराब का तीलीबे जो कुछ बाहर खड़ा था —



नागराज ! इन्से किस तरह पार करोगे ?

दीना, एक और भी समस्या है। अगर पार तारिख हो चुकी है हमें हर हालत में कल तक बाहर निकलना है।



अब नरु एक मुश्किल है बाकुल केह निक 30 और ताराब की तरेफ भरा —

मैं पार करूंगा हय मैं अभी नैरकर उस पार पहुंच पाऊंगा।

अच्छे से इस उलकी हड्डियों का भी प्रकाश ज्ञान।



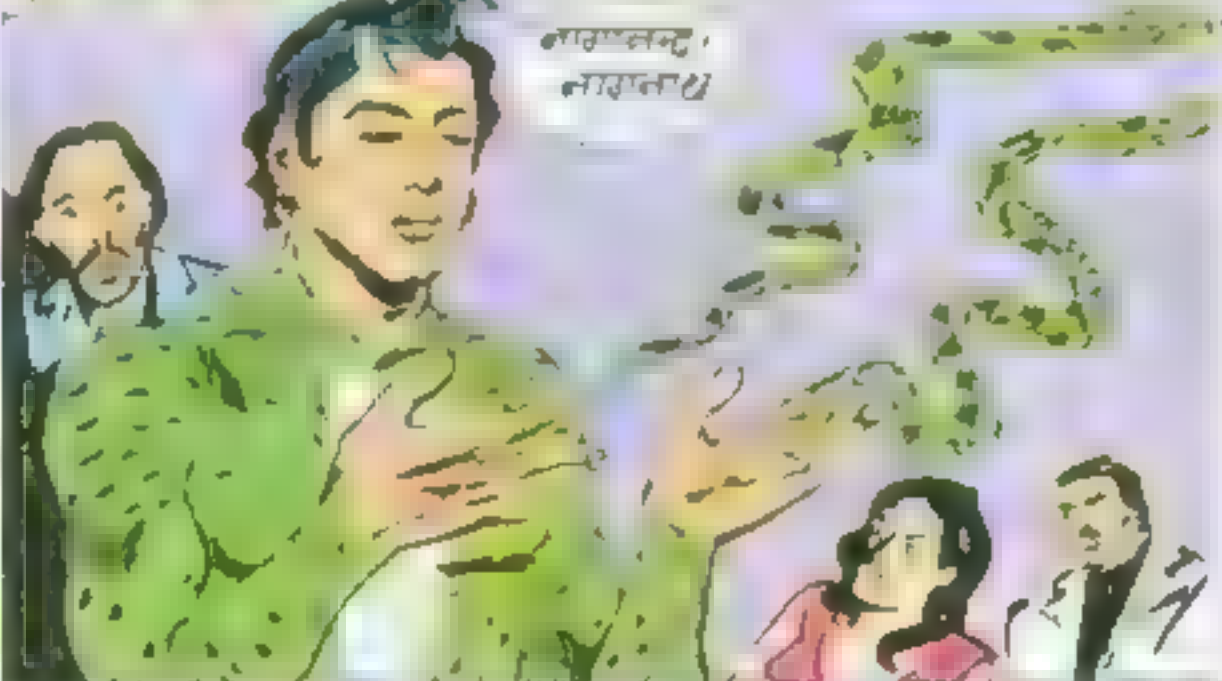
संस्कृत भाषा में लिखिए -

अब तो तुम्हें
गोपाल-पुत्री की
दृष्टि का लक्ष्य है

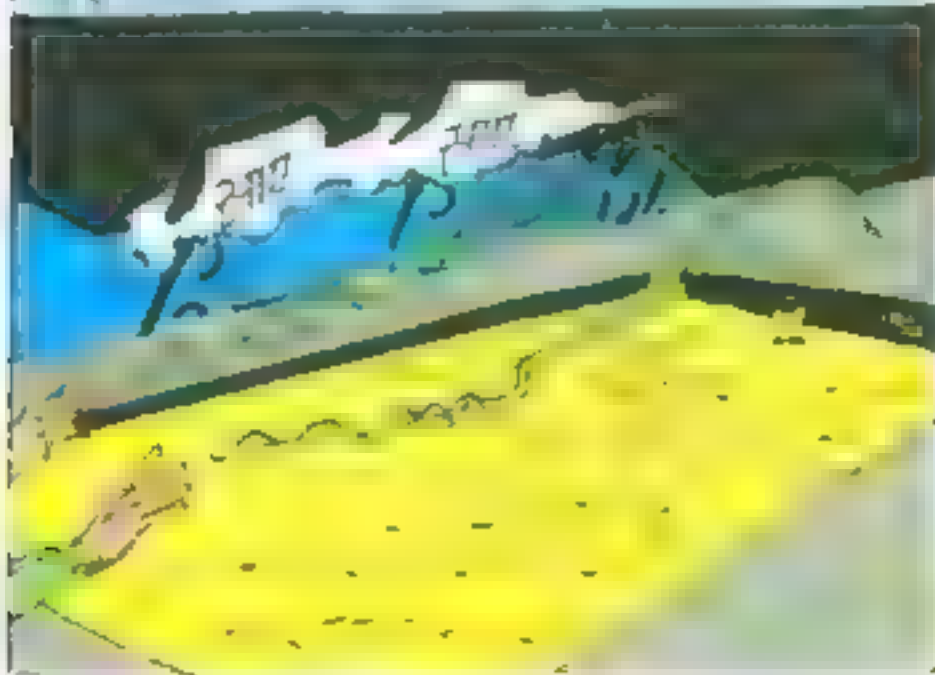


अपानक कण्डो कलहो तो ह्ये नागान्द्र अथ नागान्द्र के नेतृत्व से बहुत
ह्ये नाग निकले

ਗੁਰਮਤਿ, ਗੁਰਮਤਿ



3. अदि नगरपालिका के रूप में तालम बके 3 म अदि
3 म लगे -



भिर दुबरी लटक किन्तु है पर मौलूद कुन्नी में भोष्ट गए।

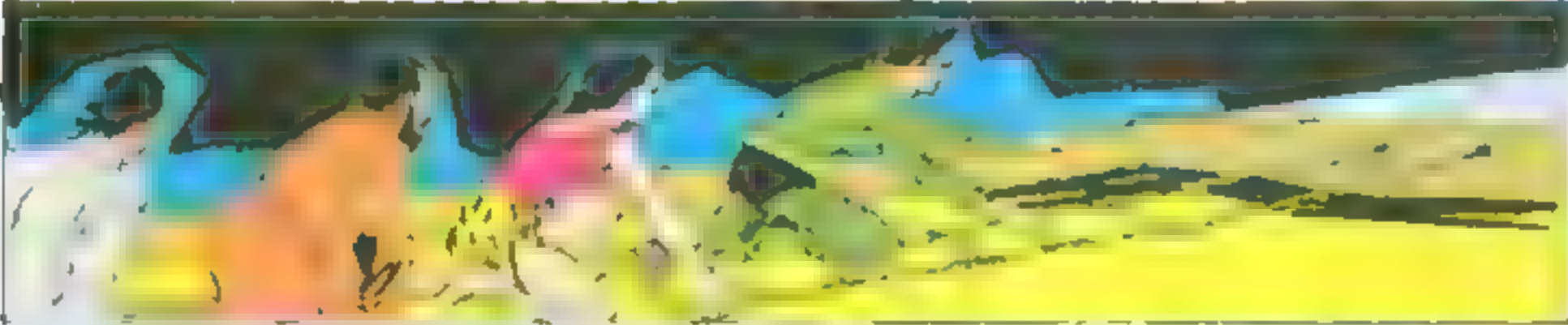


और तेजाब के तालाब पर नाच एक घुम बनान लगे-



कुछ ही दमों में घुम बनकर लैंगर हो गया।

बाद, नागराज और नागराज ने
हमने नागराज का बेलना उम्दा लाना
लेकर है दम नागराज बनकर



कुछ ही दमों में सब तेजाब का नागराज
तेलाब धार कर गए-

हो नागराज अगर तुम न
हो तो हम कभी हम नागराज से
बाहर निकलने की सोच भी
नहीं सकते थे।



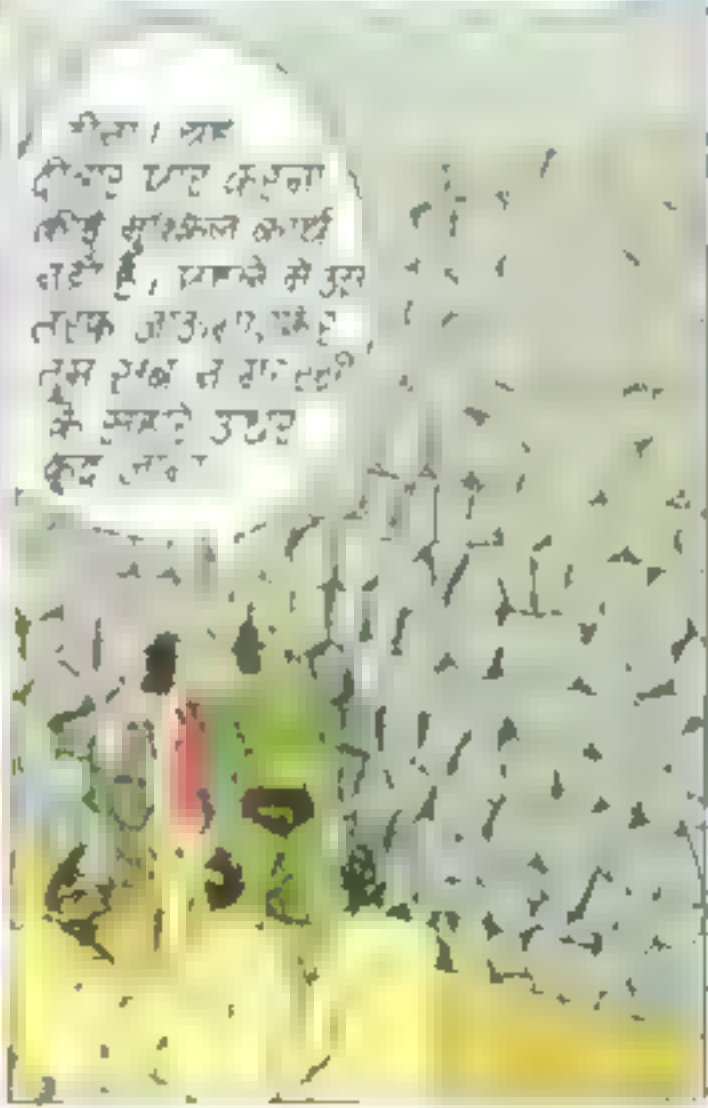
नागराज न नागराज ही दमों में
अगर नागराज उम्दा लाना
में नागराज लगे-

सब नागराज
नागराज की
क्या है।



कुछ नागराज नागराज के सामने लगे थे-

मिला। नागराज
नागराज धार करना
किस नागराज का
नागराज है, नागराज से उम्दा
लाना नागराज, नागराज
तुम नागराज से नागराज
के नागराज उम्दा
क्या लगे





नारायण दीवार पर चढ़ा

और दूसरी तरफ कूद गया

फिर नारायण ने नारायणरी छोड़ी -

वे सब दूसरी तरफ कूद गए

लिया । ध्यान से,
इस मनु के दूसरी तरफ
गनसित है । यौमोशी से
चलना, कोई आवाज
न निकले।

इधर सीमेंट के सैनिक सुरतींदी से पहरा दे रहे थे—



तभी उन्हें बहुत से साँपों ने घेरे लिखा



और कुछ देर बाद—



मौत के किले से भागते निकलकर वे एक इमारत के सामने पहुँचकर रुक गए



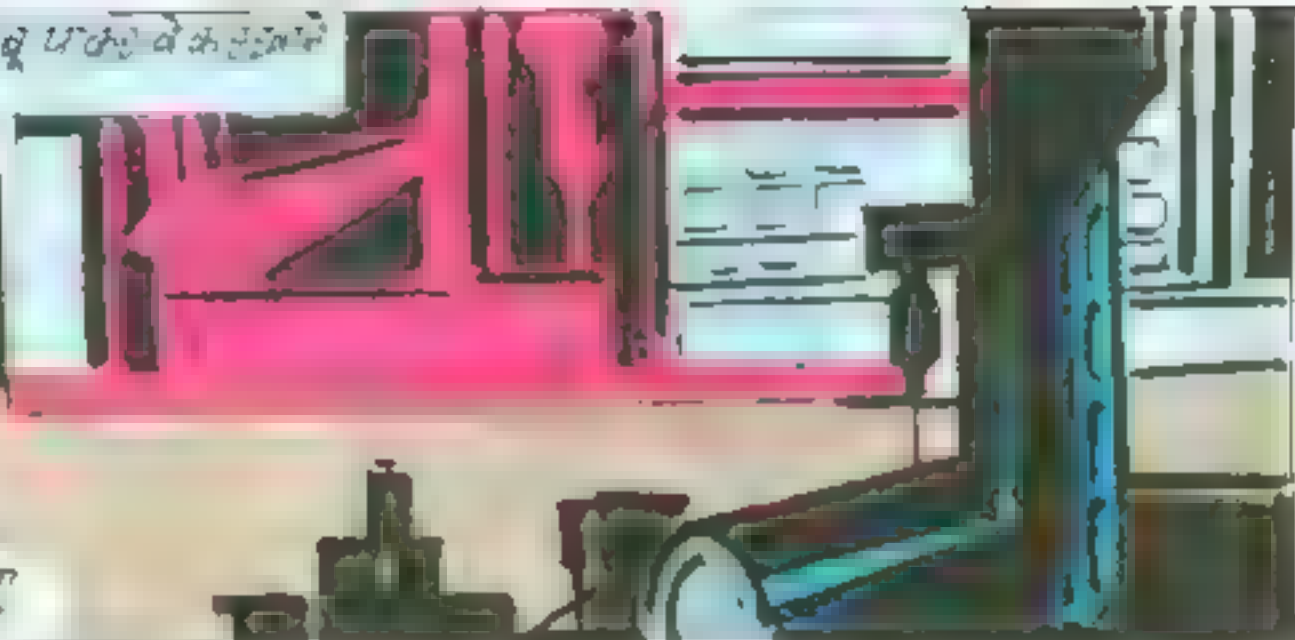
सुरंग के सैनिकों की सहायता की मदद से उन्होंने कारखाने के पहरेदारों का जमाकर मुकाममा किया।



और कुछ ही देर में वह पहरेदारों पर कूबू पाऊँ वे कड़वासे
से ज़िंदा हो गए।
प्रोफेसर कदाचित्त ही लकवा है कि
यह पूरा कारनामा एक छापे बाट इसी
बात से चल रहा है अरु ?



हाइड्रोजन
काट लकवा है



हमारी वैज्ञानिकों ने
कार्य में जुट गए

ठक
ठक
ठक

तभी वन भरा हुआ कदमों की आवाज सुनने लगी -



अपने ही घाले ऊँचे की-डि व व आँके
साँसें ने शून्य लोहा -

पकड़ लो
इन सबको।

किन्तु हमारे यहाँ के कोई भी भावनी
अपनी ही हिंसा, नाराजगी के जलजल
नामों ने उन्हें ठसकर धातु में धुंध दिया -

अपने विचारों को हलके देते।
उन विचारों का वजन -

नाराजगी, दुश्मनी का कद
दो। मुझे मत मारना।
मैं तुम्हारा मुनासिब हूँ।

हमारी नाराजगी
सदृशता व गीत जो
उठने वाले कदमों को
कभी रफ़्तक नहीं
करता



किन्तु वे लकवा की नाराजगी ने ही सिलवा के चेहरे
पर अपने मुँह से जहरीली फुफ़ार मारी -



अब भवनी हमें ही-सिलवा के जीवन की
आखिरी साँस बत गई

तभी कारखाने में इजन का तेज शोर सुनने लगा...



और अगले ही क्षण हफ्टर की मोटर-साइकिल वहाँ आकर रुकी-



वह मोटर-साइकिल से उतरकर गरजा -



नागराज! इन्हे साफ़ कर
दल न समझना कि तू जीत
गये। मैं अकेला ही तू सबके
लिए काफी हूँ।

और अगले ही पल...



हफ्टर के जोरदार वार ने जहाँ नागराज
का सिर झुन्टा दिया वहीं उसके दिमाग में एक विचार भी आया-

... उसने नीचे रखी वैलिंग मशीन की धालू किया
और तार लेकर हफ्टर के सामने कूद पड़ा -



उस आग की प्रचण्ड गर्मी
ने हफ्टर के बख्तरबंद की
धुरी तहल गरम कर दिया -



हफ्टर बुढ़ी तरह मुलसने लगा।



तभी एसीमैन नागराज के पीछे प्रकट हुआ—

नागराज! तुमने मुझे बहुत बुकसान पहुँचाया है। मैं तुम्हें खत्म कर दूँगा।



और एसीमैन ने गोलियों चला दीं—



तड़...
तड़...
तड़...
तड़...

किन्तु नागराज मुस्कुराता हुआ उसकी ओर बढ़ता रहा।



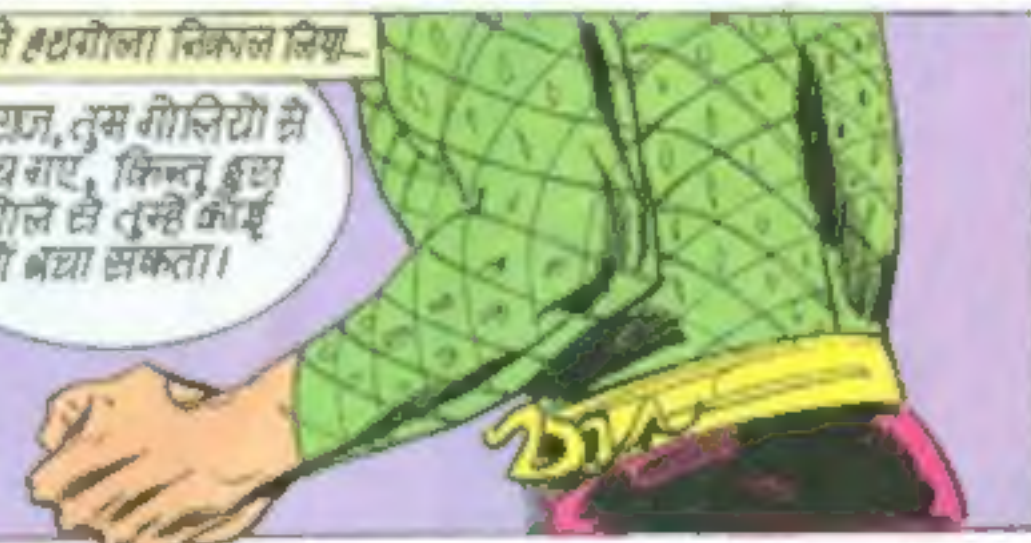
नागराज पर गोलियों का असर क्या नहीं होता? पढ़ें कॉमिक्स "नागराज"

नागराज पर गोलियों का कोई असर न होता देख एसीमैन ने हथगोला निकाल लिया—

कमाल है. इस पर गोलियों का कोई असर नहीं हुआ।



नागराज, तुम गोलियों से तो बच गए, किन्तु इस हथगोले से तुम्हें कोई नहीं बचा सकता।



फिर उसने गोला नागराज पर उछाल दिया—



हथगोला जमीन से टकराया।

परन्तु नागराज उससे पहले ही वह जगह छोड़ चुका था।



नागराज का कोई भी बाल-बाँका नहीं कर सकता एसीमैन!

और इससे पहले कि एसीमैन कुछ और शैतानी हरकत करता वह नागराज ही जकड़ा जा चुका था।

नागराज सीमेंट को लेकर हेलीकॉप्टर में पहुंचा—



कुछ ही क्षणों में हेलीकॉप्टर आकाश की ऊंचाइयों में उड़ रहा था।

सीमेंट! आज पांप लाटीख है और तुम भादत नहीं बल्कि पैरिस की जेल में जा रहे हो!



नागराज, सीमेंट जिधा है शान से और मटेगा भी शान से।



वह उड़ा और हेलीकॉप्टर के दाद से बाहर कूट गया। किन्तु अभी वह नागराज से बंधा हुआ था।



फलस्वरूप वह हेलीकॉप्टर के नीचे लटका रह गया।



तभी उसका शरीर एक कारखाने की ऊंची धिमनी से टकराया—



उसके शरीर के चीरते उड़ गए—

आज वाकई सोजकाली पर खून की धाराएं ही रही थी....



.... लेकिन नागराज के खून की नहीं, सीमेंट के खून की।